PAPER-III
MAITHILI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________
(In words)

D	1	8	1	3

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

मैथिली

प्रश्नपत्र – III

नोट : एहि प्रश्नपत्रमे **पचहत्तरि** (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक हेतु **दू** (2) अंक अछि । **सभ** प्रश्न अनिवार्य अछि ।

1. गुरुकुलक वर्णन अछि
(A) 'सुभद्राहरण'मे (B) 'अम्बचरित'मे
(C) 'चाणक्य'मे (D) 'कृष्णचरित'मे

2. 'चाणक्य' लिखने छथि
(A) काशीकान्त मिश्र 'मधुप'
(B) दीनानाथ पाठक 'बन्धु'
(C) बदरीनाथ झा
(D) ईशनाथ झा

3. महाकाव्यमे न्यूनतम सर्गक संख्या होइछ
(A) आठ (B) नओ
(C) दस (D) एगारह

4. 'एकावली परिणय' मे अंगीरस अछि
(A) शान्त (B) अद्‌भुत
(C) हास्य (D) शृंगार

5. "रवि सम दीप्त अनल सम दाहक पवि सम कठिन कठोर" – मे अलंकार अछि
(A) काव्यलिंग (B) रूपक
(C) उपमा (D) विभावना

6. "कालकूट घट पीबि सुधारस जगमे बाँटि सकैछ" – पंक्ति थिक
(A) 'एकावली परिणय'क
(B) 'चाणक्य'क
(C) 'सीतायन'क
(D) 'अगस्त्यायनी'क

7. 'मिथिलाभाषा रामायण'मे बालि-सुग्रीव युद्धक वर्णन अछि
(A) सुन्दर काण्डमे
(B) लंकाकाण्डमे
(C) किष्किन्धाकाण्डमे
(D) अरण्यकाण्डमे

8. 'मुंशी' कहल जाइत छनि
(A) चन्दा झाकेँ
(B) वैद्यनाथ मल्लिककेँ
(C) रघुनन्दन दासकेँ
(D) लालदासकेँ

9. आधुनिक मैथिली नाटकक तोरणद्वार पर छथि
(A) मनबोध (B) जीवन झा
(C) चन्दा झा (D) लालदास

10. सर्वाधिक लोकोक्तिक प्रयोग भेल अछि
(A) 'मिथिलाभाषा रामायण'मे
(B) 'रमेश्वरचरित मिथिला रामायण'मे
(C) 'जानकी रामायण'मे
(D) 'रामसुयशसागर'मे

11. दामोदर लालदासक कृति थिकनि
(A) 'गंगा'
(B) 'लखिमारानी'
(C) 'भारती'
(D) 'शकुन्तला'

12. 'भारती' खण्डकाव्यक रचयिता छथि
(A) केदारनाथ लाभ
(B) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'
(C) दामोदर लालदास
(D) यागेश्वर झा

13. विराटनगरक वर्णन अछि
(A) 'पतन'मे
(B) 'एकलव्य'मे
(C) 'उत्तरा'मे
(D) 'उत्सर्ग'मे

14. त्रिजटाक उल्लेख अछि
(A) 'कृष्णचरित'मे
(B) 'मिथिलाभाषा रामायण'मे
(C) 'दत्त-वत्ती'मे
(D) 'कीचकवध'मे

15. 'कृष्णचरित' थिक
(A) खण्डकाव्य
(B) मुक्तककाव्य
(C) महाकाव्य
(D) चम्पूकाव्य

16. शंकर-मंडन शास्त्रार्थ वर्णित अछि
(A) 'भारती'मे (B) 'पतन'मे
(C) 'मूसमहिमा'मे (D) 'एकलव्य'मे

17. एकलव्यक औँठा गुरुदक्षिणामे लेलनि
(A) परशुराम (B) भीष्म
(C) कृपाचार्य (D) द्रोणाचार्य

18. 'पतन'मे शची अपन मनोव्यता सुनौने छथि
(A) लक्ष्मीकेँ (B) शारदाकेँ
(C) पार्वतीकेँ (D) गंगाकेँ

19. "हँसितहिँ जकरा झहरि पड़ै अछि फूलक थौका ।
तकितहिँ जकरा चमकि चौंकि तड़कय बिजलौका ।।"
– कहल गेल अछि
(A) शकुन्तलाक प्रसंग
(B) भारतीक प्रसंग
(C) उत्तराक प्रसंग
(D) शचीक प्रसंग

20. 'पतन' मे सर्गक संख्या अछि
(A) दू (B) तीन
(C) चारि (D) पाँच

21. "आबहु की रहतीह मैथिली बनलि बन्दिनी ।
तरुक छाँहमे बनि उदासिनी जनकनन्दिनी ।।" –
उक्त थिकनि
(A) सीताराम झाक
(B) भुवनेश्वरसिंह 'भुवन'क
(C) आरसी प्रसाद सिंहक
(D) बुद्धिनाथ मिश्रक

22. "कऽ रहल छह अपन प्रतिभा खर्च तोँ
ताहि व्यक्तिक सुखद स्वागत-गानमे ।
जकर रैयति ठोहि पाड़ि कनैत छइ
घर-आङन खेत ओ खरिहानमे ।।"
– यात्रीक ई पद्यांश लेल गेल अछि –
(A) 'परम सत्य' शीर्षक सँ
(B) 'कविक स्वप्न' शीर्षक सँ
(C) 'देशदशाष्टक' शीर्षक सँ
(D) 'वन्दना' शीर्षक सँ

23. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क गीतसंग्रह थिकनि
(A) उनटा पाल (B) फूलडाली
(C) नक्षत्र (D) टटका जिलेबी

24. 'काव्योपवन' थिक
(A) महाकाव्य (B) खण्डकाव्य
(C) मुक्तककाव्य (D) उपाख्यानकाव्य

25. 'पयस्विनी'क रचयिता छथि
(A) छेदी झा 'द्विजवर'
(B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
(C) यदुनाथ झा 'यदुवर'
(D) हीरालाल झा 'हेम'

26. 'वीणा' कविता संग्रह थिकनि
(A) उपेन्द्र दोषीक
(B) उदयचन्द्र झा 'विनोद'क
(C) शिवाकान्त पाठकक
(D) भीमनाथ झाक

27. 'बूढ़ वर' संगृहीत अछि
(A) 'पत्रहीन नग्न गाछ'मे
(B) 'कालध्वनि'मे
(C) 'चित्रा'मे
(D) 'स्वरगन्धा'मे

28. बारहो मासपर कविता अछि
(A) ऋतुप्रियामे (B) आशा-दिशामे
(C) गुदगुदीमे (D) युगचक्रमे

29. 'तकैत अछि चिड़ै' लिखने छथि
(A) गंगेश गुंजन
(B) जीवकान्त
(C) देवशंकर नवीन
(D) कीर्तिनारायण मिश्र

30. आरसी प्रसाद सिंहकेँ प्राप्त भेल छनि
(A) यात्री चेतना पुरस्कार
(B) टैगोर साहित्य पुरस्कार
(C) वैदेही पुरस्कार
(D) साहित्य अकादेमी पुरस्कार

31. “अरुन पुरुब दिसि बहलि सगर निसि,
गगन मलिन मेल चन्दा” – गीतांशक रचयिता छथि
(A) श्रीपति
(B) रमापति
(C) उमापति
(D) नन्दीपति

32. शंकरदेव नाटककार छथि
(A) नेपालक
(B) असमक
(C) बंगालक
(D) मिथिलाक

33. नेपालमे लिखत गेल अछि
(A) प्रभावतीहरण
(B) दूतांगदव्यायोग
(C) सावित्री-सत्यवान
(D) सामवती-पुनर्जन्म

34. जगत्प्रकाशमल्ल छलाह
(A) मगधक
(B) ओडिशाक
(C) नेपालक
(D) तिरहुतक

35. ‘सोढ़ह अगस्त’ संगृहीत अछि
(A) ‘त्रिधारा’मे
(B) ‘वीणा’मे
(C) ‘नाम तँ थिक वैह’मे
(D) ‘की फुरैए की ने’मे

36. ‘काठक लोक’क लेखक छथि
(A) रामभरोस कापड़ि ‘भ्रमर’
(B) अरविन्द अक्कू
(C) वनदेवीपुत्र भजनाथ
(D) महेन्द्र मलंगिया

37. ‘एक छल राजा’ थिक
(A) रेडियो रूपक
(B) एकांकी
(C) नाटक
(D) प्रहसन

38. ‘पहिल साँझ’ थिकनि
(A) सुधांशु ‘शेखर’ चौधरीक
(B) गोविन्द झाक
(C) मणिपद्मक
(D) उषाकिरण खानक

39. ‘पसिझैत पाथर’ थिक
(A) कथासंग्रह
(B) नाट्यसंग्रह
(C) कवितासंग्रह
(D) निबन्धसंग्रह

40. सत्याभामाक विरह-दशाक वर्णन अछि
(A) समुद्राहरणमे
(B) रुक्मिणीहरणमे
(C) उषाहरणमे
(D) पारिजातहरणमे

41. ‘मंत्रपुत्र’ थिक
(A) कथा
(B) निबन्ध
(C) एकांकी
(D) उपन्यास

42. ‘मुक्ति’ कथाक लेखक छथि
(A) बलराम
(B) योगिराज
(C) ललित
(D) रमानन्द रेणु

43. सुभाषचन्द्र यादवक कथा संग्रह थिकनि
(A) वस्तु
(B) घरदेखिया
(C) उदयास्त
(D) कचोट

44. ‘आन्दोलन’ उपन्यास थिकनि
(A) राजकमलक
(B) धूमकेतुक
(C) सोमदेवक
(D) जगदीश प्रसाद मण्डलक

45. सभागाछीक वर्णन अछि
(A) 'नवारम्भ'मे
(B) 'दूधफूल'मे
(C) 'कन्यादान'मे
(D) 'कुमार'मे

46. 'लोरिक विजय' थिक
(A) ऐतिहासिक उपन्यास
(B) सामाजिक उपन्यास
(C) राजनीतिक उपन्यास
(D) लोकगाथात्मक उपन्यास

47. "पाताल अइसन दु:प्रवेश । स्त्रीक चरित्र अइसन दुर्लक्ष्य । कालिन्दीक कल्लोल अइसन मांसल" – में वर्णन अछि
(A) नायिकाक
(B) संध्याक
(C) अन्धकारक
(D) चन्द्रमाक

48. ज्योतिरीश्वर राज्याश्रित छलाह
(A) हरसिंहदेवक
(B) नरसिंहदेवक
(C) देवसिंहक
(D) शिवसिंहक

49. मैथिलीक नवकवितापर आलोचनात्मक पोथीक रचना कयने छथि
(A) फूलचन्दमिश्र 'रमण'
(B) रमानन्द झा 'रमण'
(C) आर.के. रमण
(D) रमण झा

50. विद्यापतिक श्रृंगारिक पदावलीपर समीक्षाग्रन्थ लिखने छथि
(A) जगदीश मिश्र
(B) विश्वेश्वर मिश्र
(C) यशोदानाथ झा
(D) देवेन्द्र झा

51. 'रमानाथ झा' विनिबन्धक लेखक छथि
(A) किशोरनाथ जा
(B) प्रेमशंकर सिंह
(C) अमरेश पाठक
(D) मेघन प्रसाद

52. 'समय-साल' पत्रिकाक सम्पादक छथि
(A) सत्यानन्द पाठक
(B) उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'
(C) अनलकान्त
(D) शरदिन्दु चौधरी

53. मैथिलीक उपलब्ध आद्य गद्यग्रन्थ थिक
(A) गोरक्षविजय
(B) पंचसायक
(C) वर्णरत्नाकर
(D) धूर्त्तसमागम

54. 'व्रजबोली साहित्य' शोधग्रन्थ लिखने छथि
(A) शैलेन्द्र मोहन झा
(B) मनमोहन झा
(C) अमरनाथ झा
(D) रामदेव झा

55. कीर्तनियाँ कें नाटक कहने छथि
(A) गंगानाथ झा
(B) अमरनाथ झा
(C) जयदेव मिश्र
(D) जयकान्त मिश्र

56. 'यात्राप्रकरण शतक'क लेखक छथि
(A) चेतकर झा
(B) जगदीशचन्द्र झा
(C) सुभद्र झा
(D) सीताराम झा 'श्याम'

57. 'कोन महल नाम राखबै एकर'क रचनाकार छथि
(A) गंगानन्द सिंह
(B) कांचीनाथ झा 'किरण'
(C) लक्ष्मीपति सिंह
(D) राधाकृष्ण झा 'बहेड़'

58. 'झिटुकीसँ फुटि जाइछ घैल' – अछि
(A) लोकोक्ति
(B) लोकभजन
(C) लोकगीत
(D) लोकप्रथा

59. ‘सोहर’ अछि
(A) विवाहकालक गीत
(B) मूड़नकालक गीत
(C) जन्मकालक गीत
(D) नामकरणकालक गीत

60. व्यापार-व्यवसायक चर्चा अछि
(A) लवहरि-कुसहरिमे
(B) लोरिक-विजयमे
(C) राय रणपालमे
(D) नैका बनिजारामे

61. ‘कर्णामृत’ प्रकाशित होइत अछि
(A) कोलकतासँ
(B) गुवाहाटीसँ
(C) प्रयागसँ
(D) काशीसँ

62. सुपौलसँ प्रकाशित होइत छल
(A) मिथिला-भारती
(B) भारती-मंडन
(C) लोकवेद
(D) माटिपानि

63. “सुअन पसंसइ कब्ब मझु, दुज्जन बोलइ मंद अबसओ बिसहर विष बमइ अमिअ बिमुक्कइ चंद”
– ई पंक्ति अछि
(A) चर्यापदमे
(B) कीर्त्तिलतामे
(C) कर्पूरमंजरीमे
(D) विभागसारमे

64. ‘दानवाक्यावली’पोथी लिखने छथि
(A) विद्यापति
(B) उमापति
(C) नन्दीपति
(D) गणपति

65. तरौनी तालपत्र एक आकर स्रोत थिक
(A) डाक-घाघ वचनक
(B) लक्ष्मीनाथ गोसाइँक पदक
(C) चन्दाझाक पदक
(D) विद्यापतिक पदक

66. “आजु देखल धनि जाइत रे मोहि उपजल रंग
कनकलता जनि संचर रे महि निरअवलंब” –
में वर्णन अछि
(A) विरहक
(B) मानक
(C) पूर्वरागक
(D) अभिसारक

67. “कज्जल रूप तुअ काली कहिअओ
उज्जल रूप तुअ बानी” –
कहल गेल अछि
(A) गोसाउनिकेँ
(B) लखिमाकेँ
(C) गंगाकेँ
(D) राधाकेँ

68. “नीति धर्म हम देल सुनाय
……. कहय से मारल जाय” –
एहि पाँतीक रिक्त स्थानमें होयत
(A) ठीक
(B) खूब
(C) फूसि
(D) सत्य

69. ‘कबेस्सर’ कहि उपहास कयल जाइत छल
(A) गोविन्ददासक
(B) लोचनक
(C) चन्दा झाक
(D) हर्षनाथ झाक

70. “की दिव्यभूमि मिथिला हम आबि गेलौँ
देखैत मात्र मन लक्ष्मण तृप्त भेलौँ ” –
ई अंश थिक
(A) रमेश्वरचरित मिथिला रामायणक
(B) मिथिलाभाषा रामायणक
(C) मैथिली रामचरितमानसक
(D) जानकी रामायणक

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावली (प्रश्न संख्या **71** सँ **75**)क उत्तरक हेतु देल गेल बहुविकल्पसँ सही विकल्पक चयन करु :

कतेक विचित्र देश अछि ई भारतवर्ष ! एतऽ कतिपय सभ्यता एवं संस्कृतिक समन्वय भेल अछि । एहन बुझना जाइछ जे विधाता पुरुषक ई इच्छे छलनि जे एतऽ वैचित्र्यक सृष्टि हो, एतन्निमित्ते ओ कोनो प्रबल सभ्यता वा संस्कृति द्वारा अपेक्षाकृत कोनो दुर्बल सभ्यता वा संस्कृतिक विनाश साधन नहि होबऽ देलतिन । विभिन्न सभ्यता एवं संस्कृतिक विकास एतऽ संगहि संग होइत रहल । नाना भेद-विभेदक मध्य समन्वयक साधना अनवरत रूपैँ चलितहिं रहल । एक धर्म, एक सभ्यता, एक संस्कृतिक संस्थापन द्वारा सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकताक पथ प्रशस्त करबाक प्रयत्न नहि कयल गेल । यैह कारण थिक जे आइयो ई देश विभिन्न धर्म मत एवं संस्कृतिक संगमस्थल बनल अछि । एतऽ जतेक साधक एवं महापुरुष लोकनि मेल छथि, सभक कण्ठसँ यैह एक वाणी उद्घोषित अछि – सभ एके ईश्वरक सन्तान थिक । मनुष्य-मनुष्यमे मनुष्यताक दृष्टिएँ कोनो भेद नहि । रंग-रूप, आकृति-प्रकृति, आचार-विचार मे जे वाह्य भेद अछि तकर अन्तरालमे एकेटा सर्वव्यापी तत्त्वक वास अछि । एतऽ ज्ञानक पराकाष्ठा अभेद-दर्शने मानल गेल अछि । अभेद-दर्शनक ई वाणी एतऽ युग-युगसँ साधक, महापुरुष, कवि एवं दार्शनिक लोकनिक द्वारा प्रचारित होइत आयल अछि । भारतीय धर्म, सभ्यता एवं संस्कृतिक यैह मूल उत्स थिक । एही मूल उत्ससँ प्राणरस ग्रहण कऽ ओ अपन पोषण करैत आयल अछि । यैह समन्वय बुद्धि, अनेकत्वमे एकत्वक अनुभूति, ओकर धर्म रहलैक अछि । एही धर्मक अनुसरण अवतारी महापुरुष लोकनि सेहो कयने छथि । भारतक धर्म सनातन धर्म थिक । एकर प्रवर्तन पुरुष विशेष द्वारा नहि भेल । समय-समय पर जे साधक, महापुरुष वा धर्माचार्य लोकनि भेल छथि सेहो एकेटा धर्मक व्याख्या भिन्न-भिन्न रूपमे कयलनि, एके परमतत्त्वक उपलब्धिक हेतु नाना मतमतान्तरक उद्भावना कपलनि । एके धर्मक स्रोतसँ अनेकानेक शाखा-प्रशाखा प्रवाहित भऽ विशाल देशकेँ परिप्लावित करैत रहल । एकरा भारतीय धर्म कही अथवा मानवधर्म ? हँ, यथार्थत: ई मानवधर्म थिक । जाहि दिन ई मानवधर्म जीनजीवनमे चरितार्थ होयत ताहि दिन यथार्थत: मनुष्यक जय-यात्रा सफल होयत ।

71. विधाता-पुरुषक इच्छा छलनि

(A) वैचित्र्यक सृष्टि

(B) वैदुष्यक सृष्टि

(C) समग्रताक सृष्टि

(D) व्यापकताक सृष्टि

72. एतऽ विकास संगहि संग होइत रहल

(A) कला एवं संगीतक

(B) भाषा एवं साहित्यक

(C) लोक एवं वेदक

(D) सभ्यता एवं संस्कृतिक

73. सभक कण्ठसँ यैह एक वाणी उद्घोषित अछि

(A) सभ भाषा एके परिवारक थिक

(B) सभ धर्म एके शक्तिक थिक

(C) सभ एके ईश्वरक सन्तान थिक

(D) सभ जाति एके मूलक थिक

74. ज्ञानक पराकाष्ठा मानल गैल अछि

(A) अनवरत श्रमकेँ

(B) अभेद दर्शनकेँ

(C) अविभक्त संख्याकेँ

(D) अन्धभक्तिकेँ

75. भारतीय धर्म यथार्थत: थिक

(A) मानवधर्म

(B) विश्वधर्म

(C) सर्वधर्म

(D) स्वधर्म

Space For Rough Work